8. निम्नलिखित में से **किन्ही तीन** पर विस्तृत टिप्पणी लिखें । (5×3=15)

Write detail notes on **any three** of the following.

(क) रासानुभूति में चित्त की अवस्था

(ख) सहृदय

(ग) अनुकार्य और अनुकर्ता

(घ) संगीत

(ङ) अलंकार

(च) भामह एवं वामन

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3217 **I**

Unique Paper Code : 2135001003

Name of the Paper : Indian aesthetics

Name of the Course : **Common Prog. Group, G.E. : Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any 6 questions, but question number 8 is compulsory. All carry equal marks.
3. Answer this question paper in any one language like Sanskrit or Hindi or English. But the medium of all answers should be the same.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्ही 6 प्रश्नों के उत्तर दें, परन्तु प्रश्न संख्या 8 अनिवार्य है। सभी के अंक समान हैं
2. इस प्रश्न पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए। परंतु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. सौंदर्य के समानार्थी शब्दों की चर्चा करें । (15)

Discuss the synonyms of aesthetic.

2. रस की आनन्दमयता को अपने शब्दों में स्पष्ट करें। (15)

Explain the blissfulness of rasa in your own words.

3. आचार्य भारत के अनुसार रस की प्रक्रिया का वर्णन करें । (15)

Describe the process of Rasa according to Acharya Bharat.

4. सौंदर्याभिव्यक्ति में वास्तुकला एवं मूर्ति कला की उपयोगिता का प्रतिपादन करें। (15)

Explain the importance of architecture and sculpture in aesthetic.

5. साहित्यकला के सौंदर्यतत्त्व के रूप में ध्वनि और औचित्य का विवेचन करें । (15)

Discuss dhvani and auchitya as aesthetic elements of literary art.

6. रसाभिव्यक्ति में चार मानसिक स्तरों की चर्चा करें। (15)

Discuss the four mental stage in Rasabhivyakti.

7. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के संदर्भ में सामाजिक एवं सौंदर्यात्मक दृष्टिकोण का विवेचन करें। (15)

Discuss the social and aesthetic perspectives in the context of Abhijnanshakuntalam.